

# *Obsah*

|     |                                       |    |
|-----|---------------------------------------|----|
| 1.  | <i>Kde hledat „štěstí“</i> .....      | 9  |
| 2.  | <i>Možnost volby</i> .....            | 11 |
| 3.  | <i>Pro přirozený život</i> .....      | 14 |
| 4.  | <i>Slovo je jako šíp</i> .....        | 17 |
| 5.  | <i>Naše dítě</i> .....                | 19 |
| 6.  | <i>Důkaz</i> .....                    | 22 |
| 7.  | <i>Pá, pá</i> .....                   | 24 |
| 8.  | <i>Podálky, podálky</i> .....         | 26 |
| 9.  | <i>Boze, boze</i> .....               | 28 |
| 10. | <i>Zázrak života</i> .....            | 31 |
| 11. | <i>Vidí děti auru?</i> .....          | 33 |
| 12. | <i>Sluníčko s brýlemi</i> .....       | 35 |
| 13. | <i>O závisti</i> .....                | 37 |
| 14. | <i>O zvědavosti a důvěře</i> .....    | 40 |
| 15. | <i>To nebyla kačenka</i> .....        | 42 |
| 16. | <i>Člověk se taky může smát</i> ..... | 43 |
| 17. | <i>O Jezince-Bezince</i> .....        | 45 |
| 18. | <i>Kdo vydrží víc</i> .....           | 47 |

|     |  |     |
|-----|--|-----|
| 19. | <i>Co by na to říkal mistr Švabinský</i> | 50  |
| 20. | <i>Jak chutná arabský pilaf</i>          | 52  |
| 21. | <i>Proč</i>                              | 54  |
| 22. | <i>Já tě pustím sednout</i>              | 56  |
| 23. | <i>Skřítek</i>                           | 58  |
| 24. | <i>Dobrá rada nad zlato</i>              | 60  |
| 25. | <i>Já bych se mu postavil</i>            | 62  |
| 26. | <i>Prkna, která znamenají svět</i>       | 64  |
| 27. | <i>Šokojáda</i>                          | 66  |
| 28. | <i>Když prší žvýkačky</i>                | 69  |
| 29. | <i>Velcí a malá</i>                      | 71  |
| 30. | <i>To já poznám</i>                      | 73  |
| 31. | <i>Pravá integrace</i>                   | 76  |
| 32. | <i>Deníky</i>                            | 78  |
| 33. | <i>O očekáváních</i>                     | 80  |
| 34. | <i>Jsem jenom jiný</i>                   | 82  |
| 35. | <i>Co je v životě důležité</i>           | 84  |
| 36. | <i>Dvě maminky</i>                       | 87  |
| 37. | <i>Už toho strachu bylo dost!</i>        | 89  |
| 38. | <i>Kuře nebo suchý rohlík?</i>           | 91  |
| 39. | <i>Pošli to dál</i>                      | 94  |
| 40. | <i>Andělíček – strážníček</i>            | 96  |
| 41. | <i>Jako Pavlovův psík</i>                | 98  |
| 42. | <i>Citová investice</i>                  | 100 |

|   |            |
|---|------------|
| 43. <i>Cesty života</i> .....                             | 102        |
| 44. <i>Chvála psychoterapie</i> .....                     | 105        |
| 45. <i>Zrcadlo</i> .....                                  | 107        |
| 46. <i>Jako sebe samého</i> .....                         | 109        |
| 47. „ <i>Táta hají</i> “ .....                            | 111        |
| 48. <i>Z rodičovského bloku</i> .....                     | 114        |
| 49. <i>Vodník</i> .....                                   | 116        |
| 50. <i>Srdce Dona Giovaního</i> .....                     | 118        |
| 51. <i>Odpuštění</i> .....                                | 121        |
| 52. <i>Dvaapadesáté povzbuzení nejen pro rodiče</i> ..... | 123        |
| <b>Závěr: <i>Musíme najít sebe</i> .....</b>              | <b>126</b> |

